तीर्थंकर महावीर स्मृतिग्रन्थ (फोल्डर नं. ०१२००१)

मुख्य टाइटल
क्रम
आमुख - हरस्वरूप
प्रस्तुति – अजयकुमार भट्टाचार्य
प्राक्कथन – गोविन्द नारायण टण्डन
पूर्वा – रवीन्द्र मालव
कृतज्ञता ज्ञापन – घनश्याम गौतम
शुभ कामना सन्देश
प्रथम खण्ड – काव्यांजलि --१-८
मंगल सूत्र --३
महावीर स्तवन (प्राकृत) - कुन्दकुन्दाचार्य -- ४
महावीर स्तवन – संस्कृत - रविषेणाचार्य --- ४
वन्दना--- ५
भगवान महावीर के चरणों में – उपाध्याय अमर मुनि -- ६
मनोयोग द्वारा सुनो वीर वाणी – कल्याण कुमार जैन --------------------------------------- ७
भाव पुष्पांजलि – शान्तीलाल जैन ---८
द्वितीय खण्ड – जिनवाणी -- ९-२२
अन्तरात्मा --- ११
अपरिग्रह -- ११
अभयदान -- ११
अभोगी --- ११
अरहंत -- ११
अस्तेय -- ११
अहिंसा---१२
आचार्य --१३
आत्मतत्व ---१३
आत्मविजेता ---१३
आत्मश्रद्धा ---१३
आत्मशुद्धि --- १४
आत्मा -- १४
आत्मज्ञान --- १४
आचरण --- १५
आचार -- १५

Jain Education International For Private & Personal Use Only www.jainelibrary.org

आर्जव -- १५
उपभोग -- १५
कर्म -- १५
कषाय -- १५
केवलज्ञान -- १६
केवली -- १६
चरित्र -- १६
जीव -- १६
तप -- १७
तीर्थ -- १७
द्रव्य -- १७
दुःख -- १७
धर्म -- १७
ध्यान --१८
परमाणु --१८
परमात्मा --१८
परिग्रहण --१८
पर्याय--१८
प्रमाण -- १९
पुद्गल -- १९
भय -- १९
भाषा -- १९
मार्दव -- १९
मोक्षमार्ग-- १९
लोभ -- २०
विनय -- २०
ब्रह्मचर्य -- २०
श्रमण-- २०
श्रमणधर्म -- २०
संत -- २०
संयम --२१
समता --२१
सत्य --२१
सम्यक्त्व --२१
सम्यक दर्शन --२१

Jain Education International For Private & Personal Use Only www.jainelibrary.org

सम्यक ज्ञान -- २२
सम्यक चारित्र -- २२
ज्ञान -- २२
तृतीय खण्ड – भगवान महावीर, जीवन दर्शन-देन -- २३-७६
भगवान महावीर, जीवन और दर्शन – पं. कैलाशचन्द्र शास्त्री --------------------------------- २५
तीर्थंकर महावीर और उनकी सामाजिक क्रान्ति – चन्दनमल वैद ----------------------------- ३२
वर्तमान युग में महावीर के उपदेशों की सार्थकत – यशपाल जैन ----------------------------- ३५
भगवान महावीर और नारी मुक्ति – पं. सुमतीभाई शाह -- ३९
महावीर की वाणी का मंगलमय क्रान्तिकारी स्वरूप – डॉ. महावीर शरण जैन ----------------- ४३
महावीर का साम्यवाद – परिपूर्णानन्द वर्मा -- ५१
विश्वशान्ति के सन्दर्भ में तीर्थंकर महावीर का सन्देश – यू. एन. वाच्छावत ------------------- ५४
मानवधर्म के प्रणेता तीर्थंकर महावीर – सरदारसिंह चोरड़िया --------------------------------- ५७
भगवान महावीर का सर्वोदय शासन – सुमेरुचन्द्र दिवाकर शास्त्री ------------------------------ ६१
Message of Bhagvan Mahavira – T. K. Tukol --- 69
Pearls -- 76
चतुर्थ खण्ड – जैन धर्म-दर्शन -- ७७-१५२
तीर्थंकर महावीर का अनेकान्त एवम् स्याद्वाद दर्शन – आचार्य श्री तुलसीजी ------------------- ७९
वर्तमान युग में श्रमण – उपाध्याय मुनि श्री विद्यानन्दजी -- ८३
जैन योग में कुँडलिनी – मुनि श्री नथमलजी -- ८७
परिग्रह का स्वरूप – मुनि श्री चन्दनमलजी -- ९१
जैन दर्शन में अनुमान परिभाषा – डॉ. दरबारीलाल कोठिया ---------------------------------- ९३
जैन संघ और सम्प्रदाय – डॉ. भागचन्द्र जैन भास्कर -- ९९
भगवान महावीर का अपरिग्रह, एक दार्शनिक विवेचन – प्रो. श्रीचन्द्र जैन -------------------- १२४
जैन कर्म सिद्धान्त – श्यामलाल पाण्डवीय -- १३५
जैन दर्शन में मोक्ष का स्वरूप, एक तुलनात्मक अध्ययन – डॉ. सागरमल जैन -------------- १४१
पंचम खण्ड – जैन संस्कृति एवम् कला -- १५३-२१४
जैन पुरातत्त्व एवम् कला – मधुसूदन नरहरि देशपाण्डे -- १५५
जैन मूर्ति शास्त्र – प्रो. कृष्मदत्त वाजपेयी --- १६८
जैन धर्म और संगीत – गुलाबचन्द्र जैन -- १७१
भारतीय शिल्पकला के विकास में जैन शिल्पकला का योगदान – डॉ. शिवकुमार नामदेव ------१८१
जैन चित्रकला – श्रीमती उषाकिरण जैन --- १९३
Contribution of Mahavira to Indian Culture – Dr. Kailashchandra Jain --------------------- 200
Jaina Images and their Predominant Styles – Dr. R. N. Misra ------------------------------- 205
षष्टम् खण्ड – जैन साहित्य --- २१५-२७०
जैन साहित्य – अगरचन्द नाहटा -- २१७

Jain Education International For Private & Personal Use Only www.jainelibrary.org

मध्यकालीन हिन्दी साहित्य में वर्णित सद्गुरू – सत्संग की महत्ता – डॉ. पुष्पलता जैन ------- २२४
जैन साहित्य एवं संस्कृति के विकास में भट्टारकों का योगदान – डॉ. कस्तुरचन्द कासलीवाल -- २३१
जैन साहित्य के आद्य पुरस्कर्ता – डॉ. ज्योतिप्रसाद जैन ------------------------------------ २३७
प्राचीन जैन राम साहित्य में सीता – डॉ. लक्ष्मीनारायण दुबे --------------------------------- २४१
जैन आचार्यों का संस्कृत काव्य शास्त्र में योगदान – डॉ. अमरनाथ पाण्डे -------------------- २४९
राजस्थान के कवि ठकुरसी – पं. परमानन्द जैन शास्त्री ------------------------------------- २५६
महापंडित टोडरमल – डॉ. हुकुमचन्द भारिल्ल -- २६५
सप्तम खण्ड – वैज्ञानिक सन्दर्भों में जैन धर्म -- २७१-३०२
परमाणु और लोक – प्रो. जी. आर. जैन--२७३
जैन गणित विज्ञान की शोध दिशाएँ – लक्ष्मीचन्द्र जैन---२८१
शाकाहार – वैज्ञानिक एवं चिकित्साशास्त्रीय दृष्टिकोण – डॉ. पदमचन्द्र जैन ---------------------------२९१
अष्टम खण्ड – ग्वालियर और जैन धर्म (विविध सन्दर्भ) ----------------------------------- ३०३-३६०
गोपाचल का एक विस्मृत महाकवि, रईधू – डॉ. राजाराम जैन ------------------------------ ३०५
ग्वालियर एवं उसके निकटवर्ती क्षेत्रों में स्थित जैन सांस्कृतिक केन्द्र – डॉ. वी. वी. लाल ---- ३१८
गोपाद्रौ देवपत्तने – हरिहरनिवास द्विवेदी --- ३२५
ग्वालियर के सांस्कृतिक विकास में जैन धर्म – रवीन्द्र मालव ------------------------------ ३३७
नवम खण्ड – विविधा -- ३६१-४१०
समीक्षा एवं समालोचना... -- ३६३
भगवान महावीर का पच्चीस सौं वा निर्वाण महोत्सव... ------------------------------------ ३७५
भगवान महावीर महापरिनिर्वाण महोत्सव पर्व की स्थाई उपलब्धि... ------------------------ ३८५
जीवाजी विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित श्री २५०० वां, भगवान महावीर निर्वाण महोत्सव ------- ३८९
लेखक परिचय --- ३९३

Jain Education International For Private & Personal Use Only www.jainelibrary.org